



Literacy for a Billion

Movie: Muqaddar Ka Sikandar
Year: 1978

इश्क़ वालों से न पूछो
कि उनकी रात का आलम
तनहा कैसे गुज़रता है
जुदा हो हमसफ़र जिसका
वो उसको याद करता है
न हो जिसका कोई वो
मिलने की फ़रियाद करता है
सलामे इश्क़ मेरी जाँ
ज़रा कुबूल कर लो
सलामे इश्क़ मेरी जाँ
ज़रा कुबूल कर लो
तुम हमसे प्यार करने की
ज़रा सी भूल कर लो

मेरा दिल बेचैन है
मेरा दिल बेचैन है
हमसफ़र के लिए
मेरा दिल बेचैन है
हमसफ़र के लिए

सलामे इश्क़ मेरी जाँ
ज़रा कुबूल कर लो
तुम हमसे प्यार करने की
ज़रा सी भूल कर लो

मेरा दिल बेचैन है
हमसफ़र के लिए
मेरा दिल बेचैन है

Song: Salame Ishq Mere Ja
Lyricist: Anjaan

हमसफ़र के लिए
सलामे इश्क़ मेरी जाँ
ज़रा कुबूल कर लो

मैं सुनाऊँ तुम्हें
बात इक रात की
मैं सुनाऊँ तुम्हें
बात इक रात की
चाँद भी अपनी
पूरी जवानी पे था
दिल में तूफ़ान था
एक अरमान था
दिल का तूफ़ान
अपनी रवानी पे था
एक बादल उधर से
चला झूमके
एक बादल उधर से
चला झूमके
देखते देखते
चाँद पर छा गया
चाँद भी खो गया
उसकी आगोश में
उफ़ ये क्या हो गया
जोश ही जोश में

मेरा दिल धड़का
मेरा दिल तड़पा
किसीकी नज़र के लिए

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.



Literacy for a Billion

मेरा दिल तड़पा
किसीकी नज़र के लिए

सलामे इश्क़ मेरी जाँ
ज़रा कुबूल कर लो

आ ...

इसके आगे की अब
दास्ताँ मुझसे सुन
सुनके तेरी नज़र
डबडबा जाएगी
बात दिल की
जो अब तक
तेरे दिल में थी

मेरा दावा है
होंठों पे आ जाएगी
तू मसीहा मोहब्बत के
मारों का है

मसीहा ...
मसीहा मोहब्बत के
मारों का है
तू मसीहा मोहब्बत के
मारों का है

हम तेरा नाम सुनके
चले आए हैं
अब दवा दे हमें
या तू दे दे ज़हर

तेरी महफ़िल में ये
दिलजले आए हैं
एक एहसान कर
एहसान कर
एक एहसान कर
अपने मेहमान पर
अपने मेहमान पर
एक एहसान कर

दे दुआएँ दे दुआएँ
तुझे उम्र भर के लिए
दे दुआएँ
तुझे उम्र भर के लिए

सलामे इश्क़ मेरी जाँ
ज़रा कुबूल कर लो
तुम हमसे प्यार करने की
ज़रा सी भूल कर लो

मेरा दिल बेचैन है
हमसफ़र के लिए
मेरा दिल बेचैन है
हमसफ़र के लिए

सलामे इश्क़ मेरी जाँ
ज़रा कुबूल कर लो

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitled Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.